दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 45 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, शुक्रवार, 14 अप्रैल 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com / e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592
विपक्षी एकता के मुद्दे
बैसाखी पर्व
मूल्य- 2 रु.

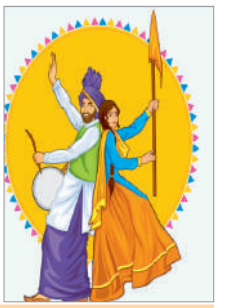

मुद्रा योजना का मजाक उड़ाने वालों को सामान्य जन की क्षमताओं का एहसास नहीं: मोदी

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि 'नया भारत' नयी नीतियों और रणनीतियों के साथ आगे बढ़ रहा है और उनकी सरकार अतीत के 'प्रतिक्रिया आधारित दृष्टिकोण' को छोड़ प्रौद्योगिकी एवं बुनियादी ढांचे के मामलों में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाकर काम कर रही है। मोदी ने 'रोजगार मेले' को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि लघु एवं सूक्ष्म उद्यमों के लिए 'मुद्रा' ऋण परियोजना से आठ करोड़ से अधिक नए उद्यमी तैयार हुए हैं और सरकार की नीतियों एवं रणनीतियों ने नयी संभावनाओं के द्वार खोले हैं। उन्होंने उन लोगों पर भी निशाना साधा जो खुद को 'बड़ा अर्थशास्त्री' मानते हैं, और ये लोग बड़े कारोबारियों को 'फोन पर' कर्ज देते थे और आज मुद्रा योजना का मजाक उड़ा रहे हैं।

हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका कटाक्ष स्पष्ट रूप से कांग्रेस के दिग्गज नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम पर था। चिदंबरम ने हाल में 'मुद्रा' योजना पर सवाल उठाया था और आश्चर्य जताया था कि 50,000 रुपये के ऋण के साथ किस तरह के व्यवसाय शुरू किए जा सकते हैं। मोदी ने कहा कि इस योजना के तहत 23 लाख करोड़ रुपये का ऋण दिया गया है, जिसमें 70 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि 'माइक्रो फाइनेंसिंग' जमीनी स्तर की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में बहुत कुछ करता है, लेकिन कुछ लोग जो खुद को बड़ा अर्थशास्त्री मानते हैं, उन्हें कभी इसका एहसास नहीं हुआ और वे आम आदमी की क्षमताओं को नहीं समझते हैं।

उन्होंने कहा, ''इस योजना ने आठ करोड़ नए उद्यमी तैयार किए हैं। ये वे लोग हैं जिन्होंने पहली बार मुद्रा योजना की मदद से अपना कारोबार शुरू किया है।'' कार्यक्रम में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में 71,506 भर्तियों के लिए अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए गए मोदी ने 2014 में सत्ता में आने के बाद से बदलाव के पैमाने को रेखांकित करने के लिए विकास के कई आंकड़ों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि 2014 तक सात दशकों में केवल 20,000 किलोमीटर रेल लाइन का विद्युतीकरण किया गया था, लेकिन पिछले नौ वर्षों में यह आंकड़ा 40,000 किलोमीटर हो गया है।

उन्होंने कहा कि 2014 तक ग्रामीण सड़क की लंबाई चार लाख किलोमीटर थी लेकिन अब यह 7.25 लाख किलोमीटर हो गई है जबकि गांवों में छह लाख किलोमीटर 'ऑप्टिकल फाइबर' बिछायी गयी है। मोदी ने कहा कि देश में 148 हवाई अड्डे हैं जबकि पहले यह संख्या 74 थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में केंद्र सरकार ने पूंजीगत व्यय में चार गुना की वृद्धि की है जिसकी वजह से न सिर्फ रोजगार के अवसर बढ़े बल्कि लोगों की आय में भी वृद्धि हुई है उन्होंने कहा कि 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' गांव से लेकर शहरों तक, भारत में रोजगार के करोड़ों अवसर पैदा करने वाला अभियान है। प्रधानमंत्री ने भारत को दुनिया की सबसे तेज रफ़्तार से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था करार देते हुए कहा कि आज जहां पूरी दुनिया कोविड महामारी के बाद मंदी से जूझ रही है और ज्यादातर देशों की अर्थव्यवस्था लगातार गिरती जा रही है।

प्रवर्तन निदेशालय ने बीबीसी इंडिया के खिलाफ फेमा जांच शुरू की

नई दिल्ली, (भाषा)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा विनिमय संबंधी कथित उल्लंघन को लेकर समाचार प्रसारक बीबीसी (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) इंडिया के खिलाफ विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत मामला दर्ज किया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है, जब आयकर विभाग ने फरवरी में दिल्ली में बीबीसी कार्यालय परिसरों का सर्वे किया था। समाचार कंपनी के एक उप प्रबंध संपादक एजेंसी के सामने पेश हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने फेमा के प्रावधानों के तहत कंपनी के कुछ कार्यकारी अधिकारियों के बयानों की रिकॉर्डिंग और दस्तावेज मांगे हैं। उन्होंने बताया कि कंपनी द्वारा कथित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के उल्लंघन की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि आयकर विभाग ने इस वर्ष 14 फरवरी को कथित कर अपवंचना की जांच के तहत दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालयों तथा दो अन्य संबंधित स्थानों पर सर्वे ऑपरेशन चलाया था। बीबीसी द्वारा दो-भाग वाले वृत्तचित्र इंडिया: द मोदी क्वेश्चन को प्रसारित करने के कुछ सप्ताह बाद यह औचक कार्वाई हुई थी।

उत्तर प्रदेश सरकार फिल्मी डायलॉग से चल रही है: अखिलेश

खरगोन, (वार्ता)। उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज माफिया डॉन अतीक अहमद के लड़के और एक अन्य के एनकाउंटर को फेक निरूपित करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार फिल्मी डायलॉग से चल रही है।

खरगोन जिले के कसरावद विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बोरावा में आज एक कार्यक्रम के सिलसिले में आए श्री यादव ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार फिल्मी डायलॉग से चल रही है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश फेक एनकाउंटर का प्रदेश बन गया है और अधिकारियों पर दबाव बनाकर फेक एनकाउंटर हो रहे हैं।

जब इसकी जांच होगी तो अधिकारियों के विरुद्ध अपने आप कार्रवाई हो जाएगी। अतीक अहमद के लड़के के एनकाउंटर पर पूछे गए एक अन्य सवाल को लेकर श्री यादव ने कहा कि इसके पूर्व भी कई घटनाओं पर उत्तर प्रदेश सरकार पर सवाल खड़े हुए हैं और राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग ने फेक एनकाउंटर और कस्टोडियल डेथ को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार को सबसे अधिक नोटिस जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय ने भी इन मामलों में टिप्पणियां की है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के माफिया को मिट्टी में मिला देंगे के कथन को लेकर श्री यादव ने कहा कि कई ऐसे मामले हैं, जिनमें उनकी स्वयं की जाति के लोग शामिल हैं क्या उन्हें भी मिट्टी में मिलाया जाएगा।

उन्होंने कहा मिट्टी में मिलाने की बात एक सीमा तक है, दरअसल चुनाव के दृष्टिगत समाज को बांटा जा रहा है तथा असली मुद्दों से भटका कर भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह सब वह लोग कर रहे हैं जिन्हें संविधान में भरोसा नहीं है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि मध्यप्रदेश में समाजवादी पार्टी चुनाव लड़ेगी।

अतीक के बेटे असद और एक अन्य की एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत

झांसी, (भाषा)। उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल (एसटीएफ) ने बृहस्पतिवार को झांसी में माफिया अतीक अहमद के बेटे असद और उसके एक साथी गुलाम को मुठभेड़ में मार गिराया। विशेष अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने कहा, प्रयागराज में उमेश पाल हत्याकांड में वांछित असद अहमद और गुलाम पांच-पांच लाख रुपए के इनामी बदमाश थे। दोनों की झांसी में एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मौत हो गई। कुमार ने बताया कि मुठभेड़ में शामिल उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक नवेंदु कुमार और विमल कुमार सिंह ने किया। इस

मुठभेड़ के बाद समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि झूठे एनकाउंटर करके भाजपा सरकार सच्चे मुद्दों से ध्यान भटकाना चाह रही है। बाद में कुमार ने पुलिस मुख्यालय में अपर पुलिस महानिदेशक (एसटीएफ) अमिताभ यश के साथ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि इस अभियान में दो पुलिस उपाधीक्षक, दो निरीक्षक, एक उप निरीक्षक (एसआई), पांच हेड कांस्टेबल तथा दो कमांडो शामिल थे। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में मारे गए आरोपियों के पास से अत्याधुनिक विदेशी हथियार बरामद किए गए हैं।

इनमें ब्रिटिश बुलडाग रिवॉल्वर तथा वाल्थर पिस्तौल शामिल है। कुमार ने बताया कि यह घटना बृहस्पतिवार की दोपहर साढ़े बारह बजे से एक बजे के बीच हुई। उन्होंने कहा कि ऐसी खुफिया जानकारी मिली थी कि अतीक अहमद को साबरमती जेल से झांसी के रास्ते प्रयागराज लाने वाले वाहन पर हमला किया जा सकता है।

दिल्ली सरकार के कार्यालयों में 14 अप्रैल को आंबेडकर जयंती पर अवकाश रहेगा

नई दिल्ली, (भाषा)। दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों, उपक्रमों और स्वायत्त निकायों के सभी कार्यालय शुक्रवार को डॉ बी.आर. आंबेडकर की जयंती के अवसर पर बंद रहेंगे। एक आदेश में यह जानकारी दी गई है।

सामान्य प्रशासन की ओर से बृहस्पतिवार को जारी आदेश में कहा गया है कि उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने आंबेडकर की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सभी सरकारी कार्यालयों, स्वायत्त निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में 14 अप्रैल को अवकाश घोषित किया है।

आवश्यक सूचना

'उत्तराखंड प्रहरी' के सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि आप अपने प्रिय अखबार 'उत्तराखंड प्रहरी' महाभियान में शामिल हो सकते हैं। आप अपने द्वारा लिखी गई कोई भी संरचना, कविता, कहानी, लेख या कार्यक्रम हमसे साझा कर सकते हैं। अच्छे लेख व कहानी को 'उत्तराखंड प्रहरी' में उचित स्थान दिया जाएगा। आप अपने प्रियजनों को जन्मदिन, सालगिरह या अन्य शुभ अवसरों पर बधाई संदेश भी दे सकते हैं।

आप हमें ईमेल
uttarakhandprahari19@gmail.com या
whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

संपादकीय

लामबंदी के चेहरे की ओर

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर राहुल गांधी से मुलाकात की। कुछ बातें भी हुईं। विपक्ष की लामबंदी के मद्देनजर यह एक महत्त्वपूर्ण, राजनीतिक घटनाक्रम है। हालांकि अभी किसी ठोस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। विपक्षी एकता के दावे भी नहीं किए जा सकते। हालांकि ऐसे दावे किए भी नहीं गए हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने इतना जरूर कहा है कि जो साथ आएगा, उसे साथ लेकर चलेंगे। देश में विचारधारा की लड़ाई जारी रहेगी। नीतीश कुमार ने यह स्पष्ट किया कि विपक्ष को जोडने में हम कांग्रेस के साथ हैं। अर्थात विपक्षी गठबंधन और लामबंदी की धुरी कांग्रेस ही बने, यह नीतीश की राजनीतिक मंशा है। इस मुलाकात के बाद नीतीश और तेजस्वी दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से भी मिले। 'आप' के राष्ट्रीय दर्जे की बधाई दी। कुछ राजनीति जरूर हुई होगी और कांग्रेस का उल्लेख भी हुआ होगा। लामबंदी की दिशा में यह भी महत्त्वपूर्ण प्रयास माना जा सकता है, लेकिन सम-विचारक और गठबंधन का घटक होने में अभी समय लगेगा। केजरीवाल ने भी यही कहा। फिलहाल दो संभावित खबरें मिल रही हैं। एक, इस माह के अंत तक नीतीश कुमार को यूपीए का संयोजक बनाया जा सकता है। दूसरे, दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में विपक्ष की एक बड़ी जनसभा आयोजित की जा सकती है। उससे कुछ स्पष्ट संकेत मिल सकते हैं कि विपक्ष की लामबंदी का चेहरा कैसा होगा? क्या उस मंच पर 'आप', सपा, तृणमूल कांग्रेस और बीआरएस सरीखे ताकतवर विपक्षी दलों के नेता भी उपस्थित होंगे?

बीजद, तेलुगूदेशम पार्टी, वाईएसआर कांग्रेस, बसपा आदि क्षेत्रीय दलों का रुख किस ओर होगा? वामपंथी दल, द्रमुक, एनसीपी, शिवसेना (उद्धव गुट) आदि का झुकाव तो कांग्रेस-नीतीश की राजनीति के प्रति माना जा रहा है। बेशक विपक्ष में विरोधाभास और दरारें आज भी हैं। 2018-19 में भी विपक्षी गठजोड़ और हवा में हाथ मिलाने के कुछ प्रयास किए गए थे, लेकिन वे नाकाम और निरर्थक साबित हुए। वे महज फोटोशूट बनकर रह गए और विपक्ष लगातार बिखरता चला गया। विपक्ष में मतभेद और स्वीकार्यता के मुद्दे बड़े गहरे हैं। हर नेता खुद को प्रधानमंत्री समझने की गलतफहमी में है। विपक्ष की एकता की जरूरत कोई भी शिद्दत से स्वीकार नहीं कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा अलग-अलग राज्यों में ताकतवर और प्रासंगिक दलों से लड़ते रहे हैं। चुनावी जीत भी हासिल की है। खासकर लोकसभा चुनाव में जनादेश लगभग एकतरफा और भाजपा के पक्ष में रहा है। मोदी के शासन को पराजित तभी किया जा सकता है, जब विपक्षी लामबंदी 1977 जैसी हो। क्या नीतीश कुमार नए संदर्भों में 'जयप्रकाश नारायण' साबित होंगे? हमें तो ऐसा नहीं लगता। अलबत्ता कांग्रेस जिन दलों और नेताओं के प्रति असहज है, नीतीश उनसे संवाद कर सकते हैं। नीतीश की ऐसी स्वीकार्यता भी है कि कांग्रेस-विरोधी नेता भी उनकी बात तो जरूर सुनेंगे। जिनके प्रति कांग्रेस बिल्कुल सहज है या जिनसे आज भी गठबंधन के हालात हैं, उनसे कांग्रेस के स्तर पर संवाद किया जा सकता है, लेकिन अंतिम गठबंधन इतना आसान और सहज नहीं है। कुछ विरोधाभास भी हैं। मसलन, नागालैंड सरकार में शरद पवार की पार्टी एनसीपी भाजपा के साथ गठबंधन में है।

विपक्षी एकता के मुद्दे

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

ये हाथ धोकर हमारे भ्रष्टाचार की ही जांच क्यों कर रहे हैं। बाकी लोगों की जांच करें। हमारा पीछा छोड़ें। हम राज परिवार के लोग हैं। सत्ता के आसनों पर बैठते रहे हैं। कल फिर से बैठ सकते हैं। इन जांच एजेंसियों को हजूर किसी तरह रोकें। देश का कोई भी आदमी जिसका कानून से कुछ भी लेना-देना न हो, समझ सकता है कि कोई भी कचहरी यह कैसे कह सकती है कि जांच एजेंसियां जांच न करें। विपक्षी दलों में तो धाकड़ वकील भरे पड़े हैं। लेकिन कहा गया है, विनाश काले विपरीत बुद्धि। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसी सुप्रीम डांट लगाई कि अब इनका हाल देखते ही बनता है। कचहरी ने कहा, भला हम जांच एजेंसियों को कैसे भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने से रोक सकते हैं? खिसियानी बिल्ली खम्भा नोचे। लौट के घर को आए। पिटीशन पिट गई। दरअसल सभी विपक्षी दलों को सोचना चाहिए कि उनकी पार्टियां राज परिवार की पार्टियां न रह कर देश की जनता की पार्टियां बन जाएं। लेकिन उस तरीके से नहीं जिस तरीके से कांग्रेस ने मल्लिका अर्जुन खड़गे को अध्यक्ष बनाने का ड्रामा किया है

पिछले कुछ वर्षों से विपक्ष की अनेक पार्टियां आपस में एकजुट होने का प्रयास कर रही हैं। एकता का आधार विचारधारा ही हो सकती है। जो पार्टियां भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा से सहमत नहीं हैं, वे आपस में एकजुट हो सकती हैं। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि जो पार्टियां इक_ा होने का प्रयास कर रही हैं, उनकी विचारधारा आपस में मिलती हो। परन्तु ऐसा नहीं है। इसका मुख्य कारण यह है कि विपक्षी की अनेक पार्टियां किसी न किसी परिवार की व्यक्तिगत पार्टी है। कांग्रेस का अपना राज परिवार है और लालू का अपना राज परिवार है। मुलायम सिंह का अपना राज परिवार है। उनकी मृत्यु के बाद स्वाभाविक ही राज तिलक उनके बेटे का हो गया। यह अलग

> इस प्रकार ये दल किसी विचारधारा के कारण नहीं बल्कि पारिवारिक हितों को खतरे में पड़ता देख कर, भाजपा को किसी प्रकार सत्ता से हटाने के लिए एकजुट हो जाना चाहते हैं। लेकिन मामला अटक जाता है। कारण यह है कि कांग्रेस का दावा है कि देश में सबसे बड़ा राजपरिवार वह है। इसलिए देश के बाकी राजपरिवार उसके आसन के सामने लगी कुर्सियों पर बैठें। कोर्निश करने के लिए सोनिया गान्धी ने फिलहाल नहीं कहा है।

बात है कि अखिलेश यादव ने पिता के जीते जी ही उनसे पार्टी की कुंजी छीन कर अपने पास रख ली। फारूक अब्दुल्ला को तो उनके पिता शेख मोहम्मद अब्दुल्ला ने विधिवत एक जनसभा में नेशनल कान्फ्रेंस के पारिवारिक कागज पत्र दिए थे। इन राज परिवारों ने लोकतंत्र में ही अपना अस्तित्व बनाया था। लोकतंत्र की सीढ़ी से ही राज परिवार ऊपर आए थे। संविधान के अनुसार ही बड़े-बड़े पदों की शपथ ली थी। सार्वजनिक रूप से ही राज परिवारों ने अपने अपने युवराजों की घोषणा की थी ताकि प्रजा को पता चल जाए कि भविष्य का उत्तराधिकारी कौन है जिसे सत्ता देनी है।

इस प्रकार ये दल किसी विचारधारा के कारण नहीं बल्कि पारिवारिक हितों को खतरे में पड़ता देख कर, भाजपा को किसी प्रकार सत्ता से हटाने के लिए एकजुट हो जाना चाहते हैं। लेकिन मामला अटक जाता है। कारण यह है कि कांग्रेस का दावा है कि देश में सबसे बड़ा राजपरिवार वह है। इसलिए देश के बाकी राजपरिवार उसके आसन के सामने लगी कुर्सियों पर बैठें। कोर्निश करने के लिए सोनिया गान्धी ने फिलहाल नहीं कहा है, यह शेष पार्टियों के राज परिवारों के लिए राहत की बात है। लेकिन इन छोटे राज परिवारों का दावा है कि कांग्रेस का पुश्तैनी राज परिवार अब इतना बड़ा नहीं रहा कि उसकी छत्रछाया में बाकी राज परिवार बैठ सकें। परन्तु कांग्रेस अपने भूतकाल से बाहर नहीं आ रही। वह पुराने किले के बाहर कितना परिवर्तन हो गया है, इसे देखने व समझने को तैयार नहीं है। एक और कारण भी है। राज परिवारों में इस बात को लेकर भी सहमति नहीं बन पा रही कि यदि एकता हो जाती है तो किस राज परिवार को कितना हिस्सा मिलेगा। विपक्षी एकता में यही सबसे बड़ा पेंच है।

अभी तक इन राज परिवारों में राजनीतिक एकता को लेकर झगड़े थे, लेकिन पैसे को लेकर सब ठीक-ठाक ही चल रहा था। लेकिन इसी बीच राज परिवार एक दूसरे संकट में घिरते गए। राज परिवारों की सम्पत्तियों की जांच होने लगी। यह सम्पत्ति कैसे बनी, इसकी जांच होने लगी। राज परिवारों ने इस प्रकार की स्थिति का सामना कभी नहीं किया था। राजा तो अपने आप को दैवी शक्ति सम्पन्न मानता है। जनता तो उसकी प्रजा है। प्रजा को जो मिलता है, वह राजा की दया के कारण मिलता है। लेकिन 1950 में बाबा साहिब भीम राव रामजी अंबेडकर एक संविधान बना गए थे जिसमें राज परिवारों की लूट खसूट बन्द करने के अनेक सूत्र भी थे। उसी के कारण इन राज परिवारों का मामला संकट में आ गया। बिहार के एक राज परिवार के मुखिया लालू यादव जेल में चले गए।

उत्तराखंड प्रहरी

कविता

डॉ. भीम राव अंबेडकर तुम्हें नमन

संविधान के बाबा आप रचयिता,
भारत रत्न से बाबा आप सुशोभित।
अनेक उपाधियों के तुम हो ग्राहता,
देश के तुम ही हो भाग्य विधाता।
शोषित वर्ग की बन आवाज,
प्रण भीम राव ने जब लिया था।
बेबस,लचारों को न्याय दिलाकर,
समता का अधिकार भी तुम ही ने दिया था।
ये देश रहेगा बाबा सदैव ऋणी तुम्हारा,
उपकार जो तुमने जन-जन पर किया था।
लिखकर किताब इक मानवता के लिए,
'बेदी' काम जो बाबा साहब ने महान किया था।
है नहीं वो कोई किताब साधारण,
नाम जिसे भारत का संविधान दिया था।।

सचिन बेदी अधिवक्ता, हरिद्वार

प्रतिबंध व विकल्पों की डंपिंग

अंततः जीवन की गहमागहमी के बीच नजरअंदाज हो रहे, भविष्य के सुकून भरे क्षणों को संरक्षित करने के लिए अदालतों की शरण में ही जाना पड़ रहा है। अब मसला उस कूड़े-कचरे का है, जो हमारी जिंदगी की रफ्तार, जीवन शैली के उत्पात और स्थानीय निकायों की अकर्मण्यता को लावारिस स्थिति तक पहुंचा रहा है। ऐसे में माननीय हाई कोर्ट ने नदी-नालों में कचरे की डंपिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के साथ-साथ इसके प्रबंधन की उचित व्यवस्था में, शहरी निकायों को भी आवश्यक निर्देश दिए हैं। अदालत के सामने आए विभिन्न पक्षों से यह भी साबित हो रहा है कि कूड़ा निस्तारण के लिए चयनित भूमि पर वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की बेडियां बरकरार हैं। बिलासपुर, घुमारवीं, चुवाड़ी, बंजार, चौपाल, नेरवा, रोहडू, आनी, शाहपुर, चिडग़ांव और अंब जैसे विकासशील शहरी कस्बों में वन विभाग की आपत्तियों की जिरह व शर्तों पर अदालत ने तुरंत कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं। कुल मिला कर देखा जाए तो कचरा प्रबंधन की दृष्टि से हिमाचल ने पूरे राज्य के लिए न कोई स्पष्ट नीति और न ही योजना बनाई है। जहां स्थितियां विकराल हुईं या राष्ट्रीय योजनाओं के दायरे में फंडिंग संभव थी, वहां-वहां औपचारिक भूमिका निभा दी। जाहिर है कचरा प्रबंधन अब केवल शहरी परिप्रेक्ष्य में ही नहीं, बल्कि ग्रामीण हलकों में भी इसके प्रति दिखाई जा रही नरमी से पर्यावरण, जल संसाधनों तथा जीवन की आवश्यकताओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। यहां समाज और सरकार के बीच भविष्य को लेकर चिंताएं और समाधान जब तक जवाबदेह ढंग से आगे नहीं बढ़ते, कोई खास फर्क नहीं आएगा। कूड़े कचरे को लेकर ही राज्य स्तरीय सर्वेक्षण व अध्ययन की जरूरत को स्थायी रूप से समझना होगा। अब तक नगर निकायों ने इसे केवल सफाईया स्वच्छता की आरंभिक भूमिका तक ही संभव होते देखा है, जबकि इसके लिए जनता तक निर्देश, व्यवस्था का स्पर्श और इसके संपूर्ण प्रबंधन के लिए निस्तारण के वैज्ञानिक हल को मुकम्मल करना होगा। विडंबना यह भी है कि हिमाचली शहर व आस्था केंद्र एक ओर जंगलों से घिरे हैं, तो दूसरी ओर प्राकृतिक जलस्रोतों को मजबूरीवश डंपिंग का विकल्प बनाया जा रहा है।

पिछले कुछ सालों से अगर नए नगर निकाय बढ़ाए भी गए, तो उनके भीतर नागरिक सुविधाओं या जीवन की खुशहाली का कोई खाका नहीं बना। नगर नियोजन विभाग अपने सीमित दायरे के भीतर मानव जीवन की परिकल्पना में आधुनिक चुनौतियों से निपटने की सलाह तक नहीं दे पा रहा है।

अदालत के सामने आए मामले में स्वच्छता के कई पार्टनर दिखाई दे रहे हैं और इनमें पर्यावरण एवं वन विभाग की राज्य व केंद्रीय स्तर की प्रक्रिया भी अपने दोष से मुक्त नहीं है। दरअसल नागरिक विकास की हर संभावना के सामने वन भूमि किसी दैत्य की तरह खड़ी हो जाती है। ऐसे में डंपिंग अब विकास प्रक्रिया का स्वाभाविक लक्षण व बाई प्रोडक्ट की तरह अपने लिए जमीन, व्यवस्था व विकल्प तलाश रहा है। हर सडक़, सुरंग, भवन निर्माण व आर्थिक तरक्की के बदले पैदा हो रहे डंपिंग मैटीरियल को ठिकाने लगाने की जरूरत है। एक ओर कूड़ा कचरा और दूसरी ओर निर्माण से उत्पन्न हो रहे वेस्ट मैटीरियल को भी एक ठिकाना चाहिए। कचरा निष्पादन को अगर निस्तारण की जगह चाहिए, तो व्यर्थ पदार्थों का निपटारा भी ऐसे ही किसी भूखंड पर होगा। ऐसे में हर शहर को ऐसे डंपिंग स्थल चाहिएं, जहां ढहते-उठते निर्माण के व्यर्थ पदार्थों के भराव से भविष्य के मैदान, पार्किंग स्थल या आवासीय कालोनियां विकसित की जा सकें।

वैधानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठेस न पहुंचे। उत्तराखंड प्रहरी में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए उत्तराखंड प्रहरी जिम्मेवार नहीं होगा।

सीएम धामी ने दी सभी प्रदेशवासियों को 'बैसाखी पर्व की' लख-लख बधाइयां

यह सम्मान मेरे लिए महज सम्मान नहीं, हमारी महान संस्कृति के तेज, त्याग और तपस्या का प्रसाद है : धामी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नोजगे पब्लिक स्कूल (हैप्पी होम) पहुंचकर उत्तरांचल पंजाबी महासभा द्वारा आयोजित वैशाखी मेले का दीप जलाकर शुभारंभ किया। इस दौरान पंजाबी महासभा द्वारा धामी को पगड़ी पहनाकर व प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी को बैसाखी पर्व की 'लख-लख बधाइयां देते हुए गुरुदेव से प्रार्थना की कि यह त्योहार सभी के जीवन में नव-तरंग, नव-उमंग और नव - सृजन लेकर आए। उन्होंने स्मरण करते हुए कहा कि जैसी अनुभूति नानकमत्ता साहिब में कार सेवा के समय होती है, वैसी ही अनुभूति आज बैसाखी मेले में आप सबके बीच उपस्थित होकर हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों विशेषकर बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं के द्वारा जो सम्मान दिया गया है, यह सम्मान मेरे लिए महज सम्मान नहीं, हमारी महान संस्कृति के तेज, त्याग और तपस्या का प्रसाद है, यह सम्मान मेरा नहीं बल्कि प्रदेश की समस्त जनता का सम्मान है। उन्होंने कहा कि इस सम्मान को, इस गौरव को गुरु नानक देव जी के चरणों में समर्पित करता हूँ। मुख्यमंत्री ने गुरुनानक साहब जी के चरणों में नमन करते हुए नम्रतापूर्वक प्रार्थना करते हुए कहा कि मेरे भीतर का सेवाभाव दिनों दिन बढ़ता रहे और गुरुओं का आशीर्वाद ऐसे ही मुझ पर तथा मेरे प्रदेश की सवा करोड़ जनता पर बना रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह त्योहार विशेष महत्व रखता है क्योंकि इसी दिन दशम गुरु, गुरु गोविंद सिंह साहब ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि यह खुशियों का पर्व जहां एक ओर समाज के सभी लोगों में प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूती प्रदान करता है वहीं दूसरी ओर देश की तरक्की में योगदान देने का संकल्प लेने की भी प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमारी सामाजिक - आर्थिक व्यवस्था में खेती-किसानी की महत्वपूर्ण भूमिका की याद भी दिलाता है। उन्होंने मेले के आयोजन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को बधाई दी, जिनकी कड़ी मेहनत से मेले को आयोजित करने का प्रयोजन सफल हुआ है। धामी ने कहा कि इस प्रकार के मेले हमारी लोक संस्कृति और ' लोक परंपराओं को बढ़ावा देने का काम करते हैं।

मेले हमारी सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं, ये हमारे जीवन में इन्द्रधनुषीय रंग लाते हैं और खुशियां देते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने विकल्प रहित संकल्प को लेकर निरंतर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरी उम्मीद है कि राज्य के सभी नागरिक उत्तराखंड को सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के लिए सरकार का पूर्ण रूप से सहयोग करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और 2025 तक हमारा राज्य देश के अग्रणीय राज्य में शामिल होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के चहुंमुखी विकास के लिए सरकार विकल्प रहित संकल्प के आधार पर कार्य करते हुए आगे बढ़ रही है। इस दौरान विद्यालय के राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त विद्यार्थियों समृद्धि अग्रवाल, आयरा अल्वी, हर्ष, रिद्धि, काव्या, कनिष्का को सम्मानित किया गया।

कनखल पुलिस ने 225 ग्राम चरस के दो तस्कर दबोचे

नशा तस्करों के खिलाफ अभियान चलाकर लगातार जारी रहेगी कार्यवाही: नरेश राठौड़

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। कनखल क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से पुलिस ने दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से 225 ग्राम चरस बरामद हुई है। एक आरोपी के पास से 120 और दूसरे के पास 105 ग्राम चरस बरामद हुई है पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया और आरोपियों को जेल भेज दिया है। कनखल थाना प्रभारी नरेश राठौड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान 2025 के तहत जनपद को नशा मुक्त करने के लिए एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत अवैध शराब/स्मैक/ चरस/ गांजा आदि तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। अभियान के क्रम में मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त संतोष राजपूत उर्फ गोलू पुत्र जितेंद्र निवासी गणेश विहार निकट बुड्डी माता मंदिर कनखल को जियापोता तिराहा के पास से 120 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवेंद्र तोमर चौकी प्रभारी जगजीतपुर, हेड कांस्टेबल सुनील राणा, सतीश कोटनाला शामिल रहे। दूसरी तरफ जगजीतपुर चौकी

प्रभारी देवेंद्र तोमर के नेतृत्व में मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त पारस खन्ना पुत्र राजेश खन्ना निवासी हनुमंतपुरम कॉलोनी जगजीतपुर थाना कनखल को मातृ सदन पुल के पास से 105 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया गया है। पुलिस टीम में जगजीतपुर चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक देवेंद्र तोमर, हेड कांस्टेबल होशियार सिंह, हेड कांस्टेबल सुनील राणा, कांस्टेबल सतीश मौजूद रहे।

उत्तरी हरिद्वार को भू-माफियाओं से कराया जाये मुक्त : आकाश भाटी

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। उत्तरी हरिद्वार स्थित ओम विहार में मंदिर को क्षतिग्रस्त करने व प्लाट पर कब्जा करने से आक्रोशित क्षेत्रवासियों ने भाजपा पार्षद व उसके भाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन से भू माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ओम विहार में समीर गुप्ता पुत्र रणधीर गुप्ता निवासी 173, शक्ति खण्ड इन्दिरा पुरम, जिला गाजियाबाद, उ.प्र. का एक प्लाट वीर धाम के पास स्थित है जिस पर समीर गुप्ता ने मन्दिर का निर्माण करवाकर एक व्यक्ति को देखभाल के लिए रखा हुआ है। जिसमें भाजपा पार्षद की शह पर कुछ लोग जबरन कब्जा करना चाहते हैं जिसके दृष्टिगत प्लाट के मालिक समीर गुप्ता ने विगत 06 अप्रैल को उक्त सम्पत्ति पर स्टे ले लिया था। विगत 10 अप्रैल को भाजपा पार्षद उसके भाई ने अपने साथियों के साथ मिलकर प्लाट पर स्थित मन्दिर में तोड़-फोड़ कर वहां से सभी मूर्तियों को खण्डित करते हुए हटवा दिया। जब समीर गुप्ता के परिचित प्लाट पर पहुंचे तो उनके साथ भी पार्षद के भाई सुनील मिश्रा ने हाथपाई व गाली-गलौज की। इस संदर्भ में समीर गुप्ता की ओर से कोतवाली हरिद्वार व मुख्यमंत्री कार्यालय में शिकायत की गयी है। मन्दिर से मूर्तियों को हटाने व मन्दिर में तोड़-फोड़ कर प्लाट पर कब्जा करने की जानकारी जब क्षेत्रवासियों को मिली तो क्षेत्रवासियों व संत समाज में भाजपा पार्षद के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त हो गया। समाजसेवी आकाश भाटी के नेतृत्व में क्षेत्र के दर्जनों लोगों ने मूर्तियों को खण्डित किये जाने के विरोध में घटना स्थल पर पहुंचकर भाजपा पार्षद व उसके भाई के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन से भू माफियाओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

समाजसेवी आकाश भाटी ने कहा कि सप्त सरोवर के पार्षद व उनके भाई धार्मिक सम्पत्तियों को खुर्द-बुर्द करने में गैंग बनाकर जुटे हुए हैं। पूर्व में सप्त सरोवर मार्ग स्थित अनेक सम्पत्तियों को खुर्द-बुर्द करने में उक्त पार्षद व उसके भाई की भूमिका रही है। आकाश भाटी ने कहा कि जिस प्रकार ओम विहार में मन्दिर में तोड़-फोड़ कर मूर्तियों को खण्डित किया गया है वह हिन्दू धर्म का घोर अपमान है। क्षेत्रवासी व क्षेत्र का युवा वर्ग मूर्तियों के क्षतिग्रस्त किये जाने से बेहद आहत हुआ है। पुलिस प्रशासन को इसका संज्ञान लेते हुए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करनी चाहिए जिससे भविष्य में तीर्थनगरी में धर्म स्थलों की रक्षा की जाये।

समाजसेवी मनोज अग्रवाल व गौरव राजपूत ने कहा कि धार्मिक स्थल का अपमान करने में जो भी अराजक तत्व शामिल हैं उनके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। संजय मखीजा व सतनाम सिंह ने कहा कि उत्तरी हरिद्वार में लाखों श्रद्धालु प्रतिदिन धार्मिक आयोजनों में शामिल होने के लिए आते हैं ऐसे में जन प्रतिनिधि व उनके परिवार के लोग ही धार्मिक सम्पत्तियों में तोड़-फोड़ कर उन पर कब्जा करेंगे तो इसका संदेश पूरे देश भर में अच्छा नहीं जायेगा।

इस अवसर पर प्रदर्शन करने वालों में मुख्य रूप से संजय मखीजा, प्रवीण सोती, सतनाम सिंह, सन्नी गिरी, आशीष तिवारी, बबलू शुक्ला, राकेश कुमार, अंकित चौधरी, प्रीतम कांडपाल, गौरव राजपूत, मनोज अग्रवाल, लक्ष्मी शुक्ल, अजय शर्मा, लक्की भारद्वाज, नितिन वर्मा, प्रवीण द्विवेदी, जय गोविंद आदि समेत सैकड़ों क्षेत्रवासी रहे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जन जागरूकता फैलाये जाने हेतु तैयार किये गये वीडियो गीत 'नकर-नकर भ्रष्टाचार, सख्त हैरे यो सरकार' हुआ लांच

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ जन जागरूकता फैलाये जाने हेतु तैयार किये गये वीडियोगीत ''नकर-नकर भ्रष्टाचार, सख्त हैरे यो सरकार'' गीत का विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि इस गीत के माध्यम से सरकार द्वारा सुशासन की दिशा में किये जा रहे कार्यों को दिखाने का शानदार प्रयास किया गया है।

सरकार द्वारा भ्रष्टाचारियों पर की जा रही कारवाई के प्रति जन जागरूकता फैलाने का अच्छा प्रयास गीत के माध्यम से किया गया है। इस गीत में सरकार द्वारा भ्रष्टाचार और नकल के विरूद्ध अपनाये जा रहे सख्त रूख एवं जीरो टॉलरेंस की नीति को प्रदर्शित किया गया है। यह गीत गीतकार एवं गायक श्री भूपेन्द्र बसेड़ा द्वारा क्षेत्रीय मिश्रित भाषा का उपयोग कर तैयार किया गया है। इस वीडियो गीत में मुख्य किरदार श्री ओम तरोनी तथा सुश्री उर्वशी शाह द्वारा भूमिका निभायी गयी है तथा संगीत श्री विक्की जुयाल द्वारा दिया गया है। इस अवसर पर विधायक श्री मोहन सिंह मेहरा, सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम्, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी, एमडी पिटकुल पी0सी0 ध्यानी, ललित जोशी, राजेन्द्र चौधरी, देवेन्द्र बिष्ट आदि उपस्थित थे।

नाबालिगा से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष का कारावास, 62 हजार का अर्थदंड

हरिद्वार। नाबालिक बालिका से दुष्कर्म, जान से मारने की धमकी व मारपीट करने के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो / अपर सत्र न्यायाधीश अंजली नौलियाल ने आरोपी को दोषी पाते हुए 20 वर्ष की कठोर कैद व 62 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। शासकीय अधिवक्ता आदेश चौहान ने बताया कि सात जनवरी 2022 को खानपुर क्षेत्र में एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ मारपीट, दुष्कर्म व जान से मारने की धमकी देने की घटना हुई थी। गैर प्रदेश रहने वाली बुआ को पीड़ति किशोरी ने सारी आपबीती बताई थी। बुआ के पूछताछ करने पर पीड़ता ने बताया यह भी बताया था कि आरोपी काफी समय से उसे प्रताड़ति व परिवार को जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म कर रहा है। पीड़ता के विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की था किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी।घटना के सवा एक महीने के बाद रिपोर्ट कर्ता बुआ ने आरोपी इस्लाम पुत्र सराजु निवासी ग्राम प्रहलाद पुर थाना खानपुर के खिलाफ दुष्कर्म,जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने व पॉक्सो एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जेल भेज दिया था। राज्य सरकार की ओर से सात गवाह पेश किए गए । दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने आरोपी इस्लाम को दोषी पाया है।

बाबा साहब के सपने साकार कर रही भाजपा सरकार: मनोज प्रालिया

बहादराबाद मंडल महामंत्री मनोज प्रालिय ने डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर दी शुभकामनाएं

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। भाजपा के बहादराबाद मंडल महामंत्री मनोज प्रालिया ने डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार बाबा साहब के सपनों को साकार कर रही है। प्रेस को जारी बयान में भाजपा बहादराबाद मंडल महामंत्री मनोज प्रालिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी बाबा साहब के सपनों को साकार करने का काम कर रही है। भाजपा के कार्यकर्ता बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलकर समाज में सामाजिक समरसता कायम करने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब के विचार राष्ट्रवादी थे। देश सर्वोपरि मानकर वे काम करते थे। भाजपा भी राष्ट्रवादी विचारों को लेकर काम करती है। बाबा साहब ने जो संविधान बनाया उसमें देश को सर्वोच्च प्राथमिकता दी तथा लोकतांत्रिक मूल्यों को जीवंत करने का काम किया। उन्होंने कहा कि समाज में सबको बराबरी का हक मिले, सब का मान सम्मान हो सबके लिए समान नागरिक संहिता बने, कश्मीर से धारा 370 हटनी चाहिए। ऐसा बाबा साहेब चाहते थे। भाजपा भी बाबा साहब के विचारों पर ही काम करते हुए कश्मीर से धारा 370 हटाने का काम किया। समान नागरिक संहिता की वकालत भी भाजपा कर रही है। कहा कि कांग्रेस की सरकार ने या दूसरे दलों ने बाबा साहब को केवल भुनाने का काम किया है। विपक्षी दलों की सरकारों ने दलितों को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल कर ठगने का काम किया है, जबकि भाजपा सरकारें भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर से प्रेरणा लेकर उनके सपनों का भारत बनाने में जुटी है। केंद्र की मोदी सरकार द्वारा 80 करोड़ लोगों को प्रति माह निशुल्क राशन वितरण का कार्य किया जा रहा है तो दूसरी और अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई गई हैं, जिससे सभी के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

प्रदेश में विकास की गंगा और जनता की जिंदगी बदलने का चल रहा अभियानः सीएम शिवराज

बड़वानी, (वार्ता)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है और जनता की जिंदगी बदलने का अभियान चल रहा है। बहनों की तरक्की में देश की तरक्की है। बहने आगे बढ़ेगी तो परिवार आगे बढ़ेगा, परिवार आगे बढ़ेगा तो समाज आगे बढ़ेगा और समाज आगे बढ़ेगा तो देश आगे बढ़ेगा।

चौहान आज जिले के निवाली में लाड़ली बहना महासम्मेलन में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने 371 करोड़ 25 लाख रूपये के कार्यों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया। इसमें 221 करोड़ 72 लाख रूपये के 9 कार्यों का भूमि-पूजन और 149 करोड़ 53 लाख रूपये की लागत के 5 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। श्री चौहान ने विभिन्न योजना में हितलाभ वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बहनों के कल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रदेश की सभी बहनों का आह्वान करते हुए कहा कि सब मिल कर कार्य करें और मध्यप्रदेश में एक नई सामाजिक क्रांति से नया जमाना लेकर आये। गरीबी दूर करें, बच्चों को पढ़ाये और सभी को आगे बढ़ाये। चौहान ने कहा कि मैं प्रदेश की सभी बहनों का सगा भाई हूँ। मैं उनकी जिंदगी में दुख नहीं रहने दूंगा। मैंने बचपन से बहनों के प्रति अन्याय और भेदभाव देखा और इसे दूर करना अपनी जिंदगी का मकसद बनाया। आज प्रदेश में बहनों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएँ संचालित हैं, जिनसे उनकी जिंदगी में व्यापक बदलाव आया है। आज मैं अपनी जिंदगी को धन्य और सफल महसूस कर रहा हूँ, क्योंकि मैं अपनी बहनों के लिए कुछ कर पा रहा।

उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में बहन-बेटियों की अधिक इज्जत और सम्मान है। इन क्षेत्रों में लिंगानुपात अधिक है, परंतु अन्य क्षेत्रों में बहन-बेटियों के साथ निरंतर अन्याय होता आया है। बेटे को जहाँ कुल का दीपक माना जाता था, वही बेटी को बोझ। मुख्यमंत्री बनने के बाद मैंने प्रदेश में मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी, मुख्यमंत्री कन्या विवाह-निकाह, संबल जैसी योजनाएँ प्रारंभ की और अब लाड़ली बहना योजना शुरू की गई है। बहन-बेटियों का समाज में सम्मान बड़ा है और वे सशक्त और आत्म-निर्भर हो रही हैं। चौहान ने कहा कि प्रदेश में आज बहनें भी सरकार चलाने का काम कर रही हैं। प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकायों में बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया, जिससे वे सरपंच, जनपद अध्यक्ष, नगर पंचायत अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष बनी हैं और सरकार चला रही हैं। पुलिस में भी बहनों को 30 प्रतिशत और शिक्षकों की भर्ती में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। मकान, जमीन, जायदाद बहन-बेटियों के नाम हो, इसलिए उन्हें रजिस्ट्री स्टांप शुल्क में 2 प्रतिशत छूट दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसो से मेरी तमन्ना थी कि मैं प्रदेश की अपनी समस्त बहनों को राखी पर उपहार दूँ। फिर मैंने सोचा कि यह उपहार वर्ष में एक बार ही क्यों हर माह दिया जाए। लाड़ली बहना योजना इसी सोच का परिणाम है, जिसमें बहनों को हर माह 1000 रूपये दिये जायेंगे। योजना में गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार की 23 से 60 वर्ष की बहनें पात्र होंगी, जिनकी वार्षिक आय ढाई लाख रूपए से कम हो, जमीन 5 एकड़ से कम हो और घर में कोई चार पहिया वाहन न हो। योजना के लिए 30 अप्रैल तक फार्म भरे जाएंगे और 10 जून से बहनों के खाते में 1000 रूपये आने लगेंगे। श्री चौहान ने कलेक्टर को निर्देश दिए कि हर पात्र बहन का फॉर्म भर जाए।

यात्री वाहनों की घरेलू थोक बिक्री 2022-23 में 26.73 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 38.9 लाख इकाई पर: सियाम

नई दिल्ली, (भाषा)। देश के यात्री वाहनों की बीते वित्त वर्ष 2022-23 में घरेलू थोक बिक्री 26.73 प्रतिशत बढ़कर 38.9 लाख इकाई से अधिक की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

सियाम के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष में यात्री वाहनों की घरेलू बिक्री बढ़कर 38,90,114 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 30,69,523 इकाई थी।

यात्री वाहनों की पिछली सबसे अधिक थोक बिक्री वित्त वर्ष 2018-19 में 33,77,436 इकाई थी।

आलोच्य अवधि के उपयोगी (यूटिलिटी) वाहनों की अच्छी बिक्री से यात्री वाहनों की बिक्री वृद्धि को मदद मिली है। इस दौरान यूटिलिटी वाहनों की बिक्री 34.55 प्रतिशत बढ़कर 20,03,718 इकाई रही। वित्त वर्ष 2021-22 में 14,89,219 वाहन बिके थे। इस श्रेणी में यात्री वाहन का हिस्सा 51.5 प्रतिशत है।सियाम के अध्यक्ष विनोद अग्रवाल ने कहा कि कोविड महामारी के बाद वित्त वर्ष 2022-23 बिक्री के लिहाज से अच्छा वर्ष रहा है। हालांकि यूक्रेन पर रूस के हमले के कारण आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान फिर से शुरू हो गया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हालांकि, आपूर्ति श्रृंखलाओं के कुशल प्रबंधन और उत्पादों की बेहतर उपलब्धता के साथ, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं की कीमतों में सालाना आधार पर नरमी आई है, बहरहाल यह एक चिंता का विषय बना हुआ है। अग्रवाल ने कहा कि जहां यात्री वाहन खंड ने नई रिकॉर्ड घरेलू बिक्री दर्ज की, वहीं वाणिज्यिक वाहनों ने दूसरी सबसे बड़ी घरेलू बिक्री दर्ज की। यह वित्त वर्ष 2018-19 के अपने रिकॉर्ड उत्पादन स्तर के करीब हैं। इस दौरान वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 7,16,566 इकाई से बढ़कर 9,62,468 इकाई हो गई। सियाम के महानिदेशक राजेश मेनन ने कहा कि वाणिज्यिक, दोपहिया और तिपहिया वाहन खंड अभी महामारी से पहले के स्तर तक नहीं पहुंच सके हैं। आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में दोपहिया वाहनों की कुल बिक्री 17 प्रतिशत बढ़कर 1,58,62,087 इकाई रही, जबकि 2021-22 में यह 1,35,70,008 इकाई थी। वित्त वर्ष 2022-23 में विभिन्न श्रेणियों में वाहनों की कुल बिक्री 20.36 प्रतिशत बढ़कर 2,12,04,162 इकाई पर पहुंच गई।

मुंबई मेट्रो की लाइन-3 के संचालन, देखभाल के लिए डीएमआरसी ने लगाई सबसे कम बोली

नई दिल्ली, (भाषा)। मुंबई मेट्रो के 33.5 किलोमीटर लंबी लाइन-3 के संचालन और देखभाल के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने सबसे कम बोली लगाई है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

मुंबई मेट्रो की प्रस्तावित लाइन-3 आरे से कफे परेड तक चलेगी। इस लाइन पर 27 मेट्रो स्टेशन पड़ेंगे।

अगर डीएमआरसी को यह काम मिल जाता है तो इस प्रक्रिया से डीएमआरसी के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) से बाहर किसी परियोजना में जाने का रास्ता साफ हो जाएगा।

डीएमआरसी ने बयान में कहा, मुंबई मेट्रो की लाइन-3 इस समय मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) के अंतर्गत निर्माणाधीन है और इसके कुछ भागों के इस साल के अंत तक शुरू होने की संभावना है। बयान में कहा गया, मुंबई मेट्रो की आरे से कफे परेड तक 27 स्टेशन वाली और 33.5 किलोमीटर लंबी लाइन-3 के संचालन और देखभाल के लिए डीएमआरसी ने सबसे कम बोली लगाई है। दिल्ली मेट्रो अपने गलियारों का संचालन करने के अलावा गुरुग्राम में रेपिड मेट्रो का भी संचालन करती है। डीएमआरसी ने कोच्चि मेट्रो, जयपुर मेट्रो, नोएडा मेट्रो का निर्माण किया है और देशभर में कई अन्य परियोजनाओं में परामर्शदाता के तौर पर सक्रिय है। डीएमआरसी इस समय पटना मेट्रो का भी निर्माण कर रही है।

शेयर म्युचुअल फंड योजनाओं में 20.5 हजार करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश

मुंबई, (वार्ता)। बाजार में अनिश्चितताओं के बावजूद देश में शेयरों निवेश करने वाली म्यूचुअल फंड योजनाओं को निवेशकों का समर्थन जारी है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की मार्ग 2023 की स्थिति पर गुरुवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार आलोच्य माह में म्यूचुअल फंड उद्योग की विभिन्न योजनाओं में 20.5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की पूंजी का शुद्ध निवेश प्राप्त हुआ। फरवरी माह में इक्विटी म्यूचुअलफंड में शुद्ध पूंली प्रवाह 15 हजार 700 करोड़ रुपये के आस पास थे

एएमएफआई की रिपोर्ट के अनुसार 31 मार्च 2023 को म्यूचुअल फंड की बांड और शेयर आदि सभी योजनाओं में प्रबंधनाधीन सम्पत्ति 40,04,637.60 करोड़ रुपये के बराबार रही जिसमें फंड ऑफ फंड्स योजनाओं की 66,590.41 करोड़ रूपये की सम्पत्ति भी शामिल है।

मुंबई में नई आवासीय परियोजना पर 1,000 करोड़ रुपए निवेश करेगी हीरानंदानी कम्युनिटीज

नई दिल्ली, (भाषा)। जमीन-जायदाद के विकास से जुड़ी कंपनी हीरानंदानी कम्युनिटीज बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मुंबई में एक नई आवास परियोजना विकसित करने के लिए 1,000 करोड़ रुपए निवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने मुंबई के पनवेल में अपनी मिश्रित उपयोग वाली एकीकृत टाउनशिप हीरानंदानी फॉर्च्यून सिटी में एक नई आवास परियोजना गोल्डन विलो शुरू की है। कंपनी की इस परियोजना में 10 लाख वर्ग फुट आवास स्थल विकसित करने की योजना है। इसमें लगभग 700 इकाइयां शामिल हैं। प्रत्यक आवास 490 वर्ग फुट से 1,150 वर्ग फुट के क्षेत्र के बीच होगा। बयान में कहा गया है, कंपनी पनवेल के रियल एस्टेट बाजार में बढ़ती मध्य और लक्जरी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए 1,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। हीरानंदानी कम्युनिटीज के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक निरंजन हीरानंदानी ने कहा, कंपनी इस नए आवासीय क्षेत्र को ऐसे समय में शुरू कर रही है जब बाजार का विस्तार हो रहा है। कंपनी को कोविड महामारी के बाद ब्रांडेड लक्जरी घरों की मजबूत मांग को पूरा करने की उम्मीद है।

देश का निर्यात वित्त वर्ष 2022-23 में छह प्रतिशत बढ़कर 447 अरब डॉलर पर

रोम, (भाषा)। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश का निर्यात बीते वित्त वर्ष 2022-23 में करीब छह प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 447 अरब डॉलर रहा। मुख्य रूप से पेट्रोलियम, औषधि, रसायन तथा समुद्री उत्पादों के क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन से निर्यात अच्छा रहा है।

इससे पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में निर्यात 422 अरब डॉलर था। देश का आयात भी आलोच्य वित्त वर्ष में 16.5 प्रतिशत बढ़कर 714 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 2021-22 में 613 अरब डॉलर था। गोयल ने कहा कि वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात नई ऊंचाई पर पहुंचा है और 2022-23 में 14 प्रतिशत बढ़कर 770 अरब डॉलर रहा जो एक साल पहले 676 अरब डॉलर था।

मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, ...भारत के निर्यात का प्रदर्शन शानदार रहा है। देश से कुल निर्यात 2022-23 में 770 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंच गया है। पिछले वित्त वर्ष की तुलना में यह 14 प्रतिशत अधिक है। 2020 में यह 500 अरब डॉलर तथा 2021-22 में 676 अरब डॉलर था। गोयल 11 से 13 अप्रैल के दौरान फ्रांस और इटली की तीन दिन यात्रा पर हैं। वह अपनी यात्रा के दौरान व्यापार और निवेश संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के लिए दोनों देशों के नेताओं और विभिन्न कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। देश का सेवा निर्यात भी

2022-23 में 27.16 प्रतिशत बढ़कर 323 अरब डॉलर रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 254 अरब डॉलर था। उन्होंने कहा, यह वास्तव में भारत के अंतरराष्ट्रीय बाजार में विस्तार का संकेत है। देश का कुल वस्तुओं और सेवाओं का आयात आलोच्य तिमाही में 892 अरब डॉलर रहा। यह बताता है कि देश की आर्थिक गतिविधियां बढ़ रही हैं और इससे निर्यात को समर्थन मिल रहा है। यहां संवाददाताओं से बातचीत में गोयल ने कहा कि निर्यात में वृद्धि से चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। सेवा क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी, लेखा और बिजनेस प्रोसेसिंग सहित विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि हुई है। वस्तुओं की श्रेणी में जिन क्षेत्रों में वृद्धि दर्ज की गई, उनमें ऑयल मील, इलेक्ट्रॉनिक सामान, तंबाकू, तिलहन, चावल, कॉफी, फल और सब्जियां, चमड़े का सामान, सेरेमिक, औषधि, समुद्री उत्पाद, रसायन और तैयार वस्त्र शामिल हैं। सेवा आयात 2022-23 में 178 अरब डॉलर रहने का अनुमान है जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 147 अरब डॉलर था।

गोयल ने कहा कि चुनौतीपूर्ण समय में वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात लगभग 100 अरब डॉलर बढ़कर 770 अरब डॉलर को पार कर गया है। यह तब हासिल किया गया है जब दुनिया में अंतरराष्ट्रीय व्यापार में नरमी है। विकसित देशों में मंदी की स्थिति और कई देशों में महंगाई की ऊंची दर देखी जा रही है। उन्होंने कहा कि रूस, यूक्रेन में संघर्ष के कारण चिंताएं थीं। उन्होंने कहा कि इस बात को लेकर भी चिंता थी कि विकसित दुनिया में माल भंडार हमें इस तरह के शानदार प्रदर्शन को हासिल करने में मदद नहीं कर सकता है।

गोयल ने कहा, यह वास्तव में संतोष की बात है कि हमने वस्तुओं और सेवाओं दोनों के निर्यात में वृद्धि दर्ज की है...।

उन्होंने कहा, जब हम पूरे आर्थिक परिदृश्य को देखते हैं, जहां जीएसटी (माल एवं सेवा कर) संग्रह ऊंचा है, निर्यात रिकॉर्ड ऊंचाई पर है और जहां मुद्रास्फीत की दर घटी है...600 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा भंडार वास्तव में देश के रुख को बताता है। गोयल ने कहा कि जब दुनिया वैश्विक मूल्य श्रृंखला में बढ़ रही है तो भारत आयात और निर्यात दोनों में अपने विस्तार की संभावना देखेगा।

उन्होंने कहा कि आंकड़े यह भी बताते हैं कि चालू खाते का घाटा (सीएडी) नियंत्रण में रहेगा क्योंकि विदेश से भेजा गया मनीऑर्डर (धन प्रेषण) 100 अरब डॉलर को पार कर गया है और निवेश का अच्छा प्रवाह है।

केकेआर का सामना अब सनराइजर्स से, निगाहें जीत की हैट्रिक पर

कोलकाता, (भाषा)। रिंकू सिंह की तूफानी पारी के बाद उत्साह से लबरेज कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का सामना जब शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से होगा तो उसकी निगाहें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र में लगातार तीसरी जीत दर्ज करने पर टिकी होंगी।

इस सत्र के अपने पहले मैच में मोहाली में पंजाब किंग्स से हार का सामना करने के बाद केकेआर को दो नए नायक मिले जिन्होंने उसे अगले दोनों मैचों में जीत दिलाई। पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ शार्दुल ठाकुर ने अपने बल्ले से कमाल दिखाया और 29 गेंदों पर 68 रन की तूफानी पारी खेलकर केकेआर को 81 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके बाद रिंकू सिंह ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम पांच गेंदों पर छक्के जड़कर अपनी टीम को अप्रत्याशित जीत दिलाई थी। इस तरह से केकेआर की निगाहें जीत की हैट्रिक पूरी करने पर लगी हैं। नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर और स्टार लराउंडर शाकिब अल हसन की कमी केकेआर को खल रही है लेकिन अचानक ही वह मजबूत टीम के रूप में उभर कर सामने आई है। केकेआर की दोनों जीत में उसके स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल और कप्तान नितीश राणा की खास योगदान नहीं रहा और अब टीम प्रबंधन यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेगा कि उसे ए जीत संयोग से नहीं मिली थी।रसेल ने पंजाब के खिलाफ पहले मैच में 19 गेंदों पर 35 रन बनाए थे लेकिन अगले दो मैचों में वह शून्य और एक रन ही बना पाए। जमैका का यह आक्रामक बल्लेबाज अब बड़ी पारी खेलने के लिए बेताब होगा। केकेआर ने अभी तक तीनों मैच में अलग-अलग सलामी जोडयाँ आजमाई हैं।

टीमें इस प्रकार

कोलकाता नाइट राइडर्सः नीतीश राणा (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकुल रॉय, रिंकू सिंह, एन. जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह और जेसन रॉय।

सनराइजर्स हैदराबादः एडेन मार्कराम (कप्तान), अब्दुल समद, राहुल त्रिपाठी, ग्लेन फिलिप्स, अभिषेक शर्मा, मार्को यानसन, वाशिंगटन सुंदर, फजलहक फारूकी, कार्तिक त्यागी, भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन, उमरान मलिक, हैरी ब्रूक, मयंक अग्रवाल, हेनरिक क्लासेन, आदिल राशिद, मयंक मार्कंडेय, विवरांत शर्मा, समर्थ व्यास, संवीर सिंह, उपेंद्र यादव, मयंक डागर, नीतीश कुमार रेड्डी, अकील हुसैन और अनमोलप्रीत सिंह।

मैच भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे शुरू होगा।

दोहा डाइमंड लीग के साथ सत्र की शुरुआत करेंगे नीरज चोपड़ा

नई दिल्ली, (भाषा)। ओलंपिक चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा दोहा में पांच मई को सितारों से सजी डाइमंड लीग प्रतियोगिता के साथ सत्र की शुरुआत करेंगे।

पिछले साल सितंबर में डाइमंड लीग का ग्रैंड फिनाले जीतने वाले गत चैंपियन 25 साल के चोपड़ा के अलावा विश्व चैंपियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक रजत पदक विजेता याकुब वाडलेच भी इस 14 चरण की एक दिवसीय सीरीज की सत्र की पहली प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पिछले साल स्टॉकहोम में डाइमंड लीग प्रतियोगिता में रजत पदक के दौरान 89.94 मीटर का निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले चोपड़ा अभी तुर्किए में ट्रेनिंग कर रहे हैं और 31 मई तक वहां रहेंगे। चोट के कारण यह भारतीय सुपरस्टार दोहा 2022 डाइमंड लीग में नहीं खेल पाया था जहां पीटर्स ने 93.07 मीटर की दूरी के साथ खिताब जीता था जो इतिहास की पांचवीं सबसे लंबी दूरी थी।

विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता वाडलेच 90.88 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे।इस स्टार तिकड़ी के अलावा दोहा प्रतियोगिता में यूरोपीय चैंपियन जर्मनी के जूलियन वेबर, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के पूर्व ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकोट (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 90.16 मीटर), पूर्व विश्व चैंपियन और 2016 ओलंपिक रजत पदक विजेता कीनिया के जूलियस एगो (निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 92.72 मीटर) भी टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

अतंरराष्ट्रीय

बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच चीन ने सैन्य भर्ती के लिए नए नियम जारी किए

बीजिंग, (भाषा)। चीन ने युद्धकाल में सैन्य भर्ती के लिए संशोधित नियमों का एक नया सेट जारी किया है, जिसमें पूर्व सैनिकों को प्राथमिकता देना, अधिक क्षमता वाले सैनिकों को नियुक्त करना, अनिवार्य सैन्य सेवा का मानकीकरण करना आदि शामिल हैं। उसके इस कदम को ताइवान के साथ युद्ध की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है।

सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बुधवार को एक खबर में कहा कि सैन्य भर्ती से जुड़े संशोधित नियमों को स्टेट काउंसिल और केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) ने जारी किया है। सीएमसी चीन की सेना का शीर्ष निकाय है, जिसके अध्यक्ष राष्ट्रपति शी चिनफिंग हैं। सीएमसी का लक्ष्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती प्रदान करने के लिए संस्थागत गारंटी मुहैया करना और मजबूत सशस्त्र बल बनाना है। खबर के अनुसार, 11 अध्यायों में 74 अनुच्छेद वाले नए नियमों में अधिक क्षमता वाले सैनिकों की भर्ती पर जोर देना, अनिवार्य सैन्य भर्ती का मानकीकरण करना और प्रणाली की क्षमता को बढ़ाना है। नए नियम अगले महीने से प्रभावी होंगे। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट अखबार की खबर के अनुसार, नियमों में कहा गया है कि भर्ती प्रक्रिया में युद्ध की तैयारी को ध्यान में रखा जाए और अधिक क्षमता वाले रंगरुटों को शामिल कर सेना की क्षमता बढ़ानी चाहिए। पहली बार, युद्धकाल में भर्ती पर एक अलग अध्याय नियमों में शामिल किया गया है, जिससे यह पता चलता है कि पूर्व सैनिकों को भर्ती में प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हें उनकी मूल इकाइयों या समान पदों पर नियुक्त किए जाने की संभावना है।

खबर के अनुसार, दक्षिण चीन सागर सहित कई मोर्चों पर और विशेष रूप से ताइवान जलडमरुमध्य में चीन के भू-राजनीतिक तनावों का सामना करने के मद्देनजर नए नियम जारी किए गए हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने ताइवान को घेरने की अपनी क्षमता को परखने के लिए इस स्वशासित द्वीप के पास हाल में एक नया सैन्य अभ्यास किया है। ताइवान की राष्ट्रपति साई इंग-वेन के अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर केविन मैककार्थी से मुलाकात करने के बाद सोमवार को यह तीन दिवसीय अभ्यास समाप्त हुआ। चीन का मानना है कि विदेशी सरकारों और ताईवान के बीच कोई भी आधिकारिक संवाद द्वीप पर बीजिंग की संप्रभुता के दावे का उल्लंघन है।

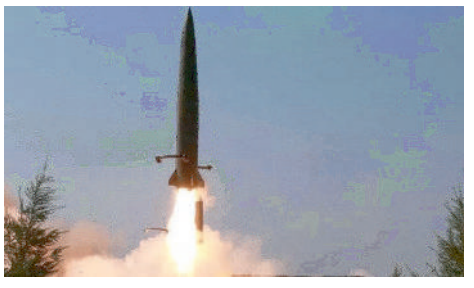

उत्तर कोरिया ने जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में बैलिस्टिक मिसाइल दागी

सियोल, (एपी)। उत्तर कोरिया ने अपने हथियारों का परीक्षण जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जो कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच गिरी।

पड़ोसी देशों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवतः एक नई तरह की अधिक गतिशील मिसाइल का परीक्षण किया है, जिसके बारे में पता लगाना कहीं ज्यादा मुश्किल है। मिसाइल प्रक्षेपण के मद्देनजर जापान को अपने एक द्वीप के निवासियों को एहतियातन सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहना पड़ा। हालांकि, बाद में इस आदेश को वापस ले लिया गया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने एक बयान जारी कर कहा कि उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के पास से ऊंचाई से दागी गई यह मिसाइल एक हजार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच समुद्र में गिरी।

बयान में इस मिसाइल को मध्यम या लंबी दूरी का हथियार बताया गया है। वहीं, अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने इसे लंबी दूरी की मिसाइल बताया, जबकि जापान ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवतः अंतरमहाद्वीपीय मिसाइल का परीक्षण किया है। दक्षिण कोरिया के एक रक्षा अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि उनके देश की सेना को लगता है कि उत्तर कोरिया ने एक नई तरह की बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया, जो संभवतः ठोस ईंधन का इस्तेमाल करती है। उत्तर कोरिया की सभी ज्ञात अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल तरल प्रणोदक का इस्तेमाल करती हैं, जिन्हें प्रक्षेपण से पहले भरे जाने की जरूरत पड़ती है, लेकिन ठोस-प्रणोदक वाले हथियार में ईंधन पहले से ही भरा होता है, जिससे उसका प्रक्षेपण कहीं आसान, तेज और सुविधाजनक हो जाता है।

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने अमेरिका के बढ़ते खतरों से निपटने के लिए जिन अत्याधुनिक हथियारों के विकास के संकल्प लिया है, उनमें ठोस ईंधन से संचालित अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल भी शामिल हैं। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता एड्रियन वॉटसन ने कहा कि ताजा प्रक्षेपण अनावश्यक रूप से तनाव बढ़ाता है और क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति को अस्थिर करने का जोखिम पैदा करता है। इससे पहले, जापान के रक्षा मंत्री यासुकाजु हमादा ने संवाददाताओं से कहा था कि उत्तर कोरिया ने संभवतः एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया। उन्होंने कहा था कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र में नहीं पहुंची। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने संवाददाताओं से कहा था कि वह इस प्रक्षेपण पर चर्चा के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की एक बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं। उत्तर कोरिया, कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के बीच जल क्षेत्र में मिसाइल का अक्सर परीक्षण करता रहता है। उत्तर कोरिया के प्रक्षेपणों के बाद दक्षिण कोरिया और जापान अपने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने का आदेश आमतौर पर तब तक जारी नहीं करते, जब तक उन्हें यह न लगे कि ए हथियार उनके क्षेत्रों की ओर आ रहे हैं। जापान सरकार ने बृहस्पतिवार के प्रक्षेपण के बाद उत्तरी छोर पर स्थित होक्काइदो द्वीप के लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की।

छोटी खबरें

दस साल में बरबाद किया विश्वविद्यालय: आनंदीबेन

आगरा, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने गुरूवार को यहां डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के 88वें दीक्षांत समारोह में शिकायतों को लेकर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि विवि को दस साल में बरबाद कर दिया। दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति के निशाने पर विवि के शिक्षक रहे। शिकायतों से परेशान उन्होंने अपने दीक्षांत भाषण में कहा कि शिक्षकों ने लड़ाई-झगड़े के अलावा कुछ नहीं किया। दस साल में विवि को बर्बाद करके रख दिया। पीएचडी हासिल की, पर संस्कार नहीं लिए। उनका परिवार विवि से मिले वेतन से चलता है, पर न सहयोग करते हैं न काम, फिर अध्यापक रहने का कोई अर्थ नहीं। राज्यपाल की नाराजगी यहीं नहीं रुकी। उन्होंने कहा "काम नहीं करना तो मत करिए, पर विवि की बुराई मत करिए। घर बैठिए। जो काम करें, उन्हें जिम्मेदारी दें। चार साल बाद जब विवि के 100 साल का उत्सव होगा, तब तक नैक की ए प्लस प्लसए ग्रेडिंग लानी होगी। दस साल का विजन डाक्यूमेंट बनाएं और मेरे सामने रखें।" राज्यपाल ने शिक्षकों को आईना दिखाते हुए कहा कि 96 साल पुराने जिस विवि में देश के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पढ़े हों, उसकी क्या हालत बनाकर रख दी है। डॉ. शंकर दयाल शर्मा, रामनाथ कोविंद, चौ. चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल जैसी हस्तियां यहां से पढ़कर निकलीं हैं। शिक्षक 35 साल तक जिस जगह काम करते हैं, उससे ही प्रेम नहीं है। संवेदनाएं नहीं हैं। समस्याएं देखकर भी कुछ नहीं करते। छात्र-छात्राएं भटकते रहे, पर उनकी समस्याओं के लिए दिल में संवेदनशीलता ही नहीं।

गहलोत ने किया गांधी दर्शन म्यूजियम के कार्यों का निरीक्षण

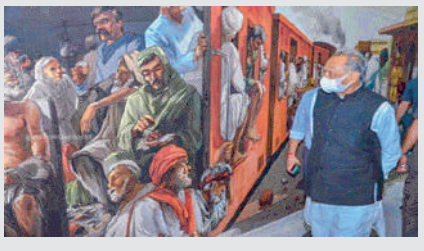

जयपुर, (वार्ता)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने गुरूवार को सेंट्रल पार्क परिसर में निर्माणाधीन गांधी दर्शन म्यूजियम का दौरा कर विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान गहलोत ने अधिकारियों को परिसर में चल रहे कार्यों को अविलम्ब पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने म्यूजियम परिसर का अवलोकन किया और वहां चल रही गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान अधिकारियों ने उन्हें बताया कि इस परिसर में युवाओं को महात्मा गांधी जी की शिक्षाओं को आत्मसात करते हुए गुड गवर्नेंस तथा सामाजिक कार्यों में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार किया जाएगा।

म्यूजियम में गांधीजी की विरासत से संबंधित वस्तुओं का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया जाएगा। गांधी जी के जीवन से जुड़े मुख्य आंदोलनों को नई तकनीक के जरिए इस तरह से दर्शाया जाएगा जिससे दर्शक, विशेष तौर पर युवा, इन आंदोलनों एवं घटनाओं को अनुभव कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा बजट 2021-22 में की गई घोषणा के अन्तर्गत महात्मा गांधी दर्शन म्यूजियम और महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ गवर्नेन्स का सेन्ट्रल पार्क, जयपुर में निर्माण किया जा रहा है।

प्रियंका गांधी ने योजनाओं के हितग्राहियों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी को सराहा

जगदलपुर, (वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में भरोसे का सम्मेलन में योजनाओं के हितग्राहियों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और जमकर सराहना की। इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौजूद रहे।

वाड्रा ने इस मौके पर कहा कि बस्तर में बने उत्पाद बेहतरीन हैं। बस्तर का काजू, मिलेट्स से बनी चिकी और बिस्किट का स्वाद लाजवाब है। यहां के लोग जितने अच्छे हैं उनकी कारीगरी भी उतनी ही बढ़िया है। बस्तर के लोग रिश्ता जोड़ना जल्दी जानते हैं। एक स्टॉल में एक महिला ने मुझे अपने हाथ से बनाई आइसक्रीम दी, लेकिन उन्होंने कहा कि दीदी आपको अभी मंच से बोलना है आप इसे मत खाइए नहीं तो आपका गला खराब हो जाएगा। ये आत्मीयता है बस्तर के लोगों की। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि आज सरकार की मदद से बस्तर में बने उत्पादों को बाजार मिला है और कारीगरों को लाभ हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने श्रीमती वाड्रा को विभिन्न स्टॉल में लगे उत्पादों की जानकारी दी।

एसएचजी की महिलाओं ने श्रीमती वाड्रा को कोसा की साड़ी भेंट की। आमचो बस्तर स्टॉल में श्रीमती वाड्रा ने मिट्टी एवं तांबे के बर्तन की ढलाई करते कारीगरों से बात की। उन्होंने मनवा नवानार स्टॉल पर बस्तर में राज्य सरकार के विश्वास, विकास और सुरक्षा की उपलब्धियों को सराहा। वाड्रा ने बस्तर फाइटर्स की महिला जवानों से बात की और उनके साथ फोटो खिंचवायी। प्रदर्शनी में बस्तर संभाग के जिलों द्वारा जिले में महिला समूहों द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों या नवाचार योजनाओं से संबंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इसमें बस्तर जिले ने प्रदर्शनी में फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से बस्तर संभाग में नेहरू और गांधी परिवार की बस्तर संभाग में की गई यात्राओं को चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। इसके अलावा बस्तर कॉफी उत्पादन एवं प्रसंस्करण तकनीक का जीवंत प्रदर्शन, बस्तर कलागुड़ी हस्तशिल्प द्वारा लकड़ी की नक्काशी, जिला प्रशासन के नवाचार थींक-बी से संबंद्ध माम्स फूड, पुलिस विभाग की सामुदायिक पुलिसिंग मनवा नवानार, टसर कोसा से धागाकरण एवं वस्त्र बुनाई, बस्तर फूड फर्म द्वारा महुआ की चाय और अन्य उत्पाद, वन विभाग के इमली और काजू प्रसंस्करण निर्माण का प्रदर्शन किया।

आंध्र प्रदेश : सिलसिलेवार हत्याओं के दोषी पांच लोगों को उम्रकैद

विजयवाड़ा (आंध्र प्रदेश), (भाषा)। विजयवाड़ा की एक अदालत ने कोविड की पहली और दूसरी लहर के दौरान शहर के आसपास की वृद्ध महिलाओं की हत्या कर उन्हें कोविड से हुई मौतों का रूप देने के जुर्म में पांच लोगों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

विजयवाड़ा महिला सत्र अदालत की न्यायाधीश आई. शैलजा देवी ने वेलपुरी प्रभु कुमार (22), सुनकारा गोपी राजू (22), पोनमला चक्रवर्ती (21), मोरम नागा दुर्गा राव (21) और मैडी फणींद्र कुमार (20) को सजा सुनाई और सभी पर ।,300- ।,300 रुपए का जुर्माना लगाया।

नगर पुलिस द्वारा बुधवार को जारी बयान के अनुसार, 16 जून, 2021 को विजयवाड़ा के बाहरी इलाके पेनामलुरु के पोरांकी में एक एटीएम में सेंध लगाने के असफल प्रयास के बाद, ऑटोरिक्शा चालकों के रूप में जीवनयापन करने वाले पांच युवकों द्वारा किए गए अपराध सामने आए। एटीएम मामले में कुछ पुराने अपराधियों व ऑटोरिक्शा चालकों की जांच और सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल के आधार पर पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के बयान में कहा गया है कि पांचों ऑटोरिक्शा चलाते थे और दोस्त बन गए थे। वे जल्दी पैसा कमाने के लिए घर में अकेली रहने वाली बूढ़ी महिलाओं को निशाना बनाते थे। ऑटोरिक्शा पर सब्जी बेचने के बहाने समूह में शामिल लोग अकेली रहने वाली बूढ़ी महिलाओं के घरों की रेकी करते थे और उनकी हत्या करके सोने के आभूषण लेकर फरार हो जाते थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह ने अक्टूबर 2020 में सरली (58), नवंबर 2020 में सीता महालक्ष्मी (63), जनवरी 2021 में तल्लुरू धनलक्ष्मी (58) और जून 2021 में पापम्मा (85) की हत्या कर दी। चूंकि महिलाओं के शवों पर घाव नहीं होते थे।

नोएडा: एक्वा मेट्रो स्टेशनों से चलेंगी 10 मिनी इलेक्ट्रिक बसें

नोएडा : एक्वा मेट्रो पर फीडर सेवा के लिए 10 बसें नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (हरूक्रष्ट) खरीदेगा। ये मिनी इलेक्ट्रिक बसें होंगी। बस खरीद का टेंडर कॉरपोरेशन जल्द जारी करेगा। इसके अलावा 50 बसें पीपीपी मॉडल पर चलवाई जाएंगी। इसमें 25 के लिए एजेंसी का चयन हो चुका है। 25 और बसों के संचालन के लिए आरएफपी जल्द जारी होगा। इसके निर्देश बुधवार को हरूक्रष्ट की एमडी रितु माहेश्वरी ने समीक्षा में अधिकारियों को दिए। एमडी ने बताया कि फीडर सेवा में बस संचालन जल्द शुरू करने की कोशिश है। इसके साथ ही मेट्रो स्टेशन पर अन्य यात्री सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। एमडी ने एक्वा लाइन के स्टेशन पर पार्किंग सेवा की समीक्षा की। इसमें यह सामने आया कि तीन स्टेशन सेक्टर-51 और 137 और डेल्टा-1 पर पार्किंग का संचालन हो रहा है। बाकी के जो ज्यादा यात्री वाले स्टेशन हैं। वहां पार्किंग संचालन को एजेंसी का चयन होना है। इस पर एमडी ने निर्देश दिए कि एजेंसी चयन होने तक कॉरपोरेशन अपने स्टाफ से पार्किंग का संचालन शुरू करवाए। एनएमआरसी ओपन एंडेड स्कीम के तहत 7 स्टेशन पर पार्किंग सुविधा शुरू करवाने की तैयारी में है।

अतीक अहमद और अशरफ की पांच दिन की पुलिस रिमांड मंजूर

प्रयागराज, (भाषा)। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने बृहस्पतिवार को उमेश पाल हत्याकांड में नामजद आरोपी तथा माफिया अतीक अहमद और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ की पांच दिन की पुलिस रिमांड मंजूर की।

जिला शासकीय अधिवक्ता गुलाब चंद्र अग्रहरि ने यहां जनपद न्यायालय परिसर में संवाददाताओं को बताया कि उमेश पाल की हत्या के मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) दिनेश गौतम की अदालत ने अपराध प्रक्रिया संहिता की धारा 167 के तहत अतीक अहमद और अशरफ की 13 अप्रैल से 17 अप्रैल तक पुलिस रिमांड स्वीकृत की।

उन्होंने बताया कि इस मामले में सुनवाई की अगली तारीख 26 अप्रैल निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि अपराध संख्या 114123 से संबंधित विवेचक द्वारा प्रार्थना पत्र देकर अभियुक्त अतीक और अशरफ को 14 दिन की पुलिस रिमांड में देने का अनुरोध किया गया। अधिवक्ता ने बताया कि इस पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अदालत ने 13 अप्रैल से 17 अप्रैल को शाम पांच बजे तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश पारित किया। अग्रहरि ने बताया कि आदेश में यह भी कहा गया है कि पुलिस हिरासत में लेने से पूर्व दोनों अभियुक्तों का चिकित्सीय परीक्षण कराया जाए और अभियुक्त चाहें तो अपने अधिवक्ता को अपने साथ रख सकते हैं, लेकिन अधिवक्ता 100 मीटर दूरी से ही कार्वाई को देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि पुलिस कस्टडी की अवधि पूरी होने के बाद अतीक अहमद को साबरमती जेल के लिए और अशरफ को बरेली जेल भेजना सुनिश्चित किया जाएगा।

भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए आध्यात्मिक ज्ञान का प्रचार करना होगा : सतपाल महाराज

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

वैशाखी महोत्सव पर आयोजित तीन दिवसीय सद्भावना सम्मेलन में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिद्वार। स्थानीय ऋषिकुल मैदान में मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वावधान में बैसाखी महोत्सव पर तीन दिवसीय (13 से 15 अप्रैल) सद्भावना सम्मेलन में अपार जन समुदाय को संबोधित करते हुए उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री व सुविख्यात समाजसेवी सतपाल महाराज ने कहा कि आज जगह-जगह यूनिवर्सिटीज खुल रही हैं, परंतु आज विवेकानंद नहीं बन पा रहे हैं, शिवाजी महाराज नहीं बन पा रहे हैं, क्योंकि आज हम अध्यात्म को भुला बैठे हैं। जब अध्यात्म का विज्ञान हमारे पास होगा, तब अपने देश के अंदर हम विवेकानंद बना पाएंगे, वीर शिवाजी पैदा कर पाएंगे, झांसी की रानी पैदा कर पाएंगे। तब हमारा देश विश्वगुरु बनेगा, विश्व को ज्ञान देगा। भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए हमें अध्यात्मिक ज्ञान का प्रचार करना होगा। सतपाल महाराज ने कहा कि आज दुनिया में योग का प्रचार हो रहा है। योग माने होता है मिलन। मन को लगाना योग है। जैसे मोबाइल चार्ज करने के लिए हम मोबाइल को बिजली से जुड़े चार्जर से कनेक्ट करते हैं और हमारा मोबाइल चार्ज हो जाता है, ठीक इसी प्रकार से जब प्रभु के नाम में अपने मन को कनेक्ट करेंगे, तब हमारा शांत हो जाता है, मन को अपार शांति मिलती है।

महाराज ने उत्तराखंड प्रदेश में हो रहे विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा-निर्देशन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में चारों धामों के विकास के लिए हम निरंतर प्रयत्नशील हैं। वर्ष 2013 में आई भीषण प्राकृतिक आपदा के बाद केन्द्र के सहयोग से जहां प्रदेश सरकार केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण करवा रही है वहीं दूसरी ओर बद्रीनाथ धाम को एक स्मार्ट सप्रिचुअल हिल टाउनश के रूप में विकसित किए जाने का सरकार चरणवद्ध रूप से कार्य कर रही है। चारधाम यात्रा और पर्यटन के विकास के लिए कनेक्टिविटी बहुत महत्वपूर्ण है।इसलिए हम देश के अन्य क्षेत्रों के साथ कनेक्टिविटी बेहतर बनाने पर तेजी से काम कर रहे हैं। हवाई सेवाओं का भी विस्तार किया जा रहा है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में सतपाल महाराज , माता अमृता व अन्य गणमान्य विद्वानों का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया। मंच संचालन महात्मा हरिसंतोषानंद ने किया।

बैसाखी पर्व

14 अप्रैल 2023 को बैसाखी का पर्व मनाया जा रहा है। बैसाखी को खुशहाली और समृद्धि का पर्व माना जाता है। बैसाखी के दिन सूर्य देव मेष राशि में प्रवेश करते हैं। इसलिए इसे मेष संक्रांति भी कहा जाता है। इस पर्व से कई मान्यताएं और परंपराएं जुड़ी हुई हैं। सिख समुदाय के लोग इस दिन को नव वर्ष के रूप में मनाते हैं। ये पर्व खासतौर पर पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में धूमधाम से मनाया जाता है। दरअसल, वैशाख महीने तक रबी की फसलें पक जाती हैं और उनकी कटाई शुरू हो जाती है। ऐसे में इस दिन फसल के कटकर घर आ जाने की खुशी में लोग ईश्वर को धन्यवाद देते हैं और अनाज की पूजा करते हैं। शाम को लोग इकठ्ठा होकर गिद्दा और भांगड़ा करते हैं।

बैसाखी क्यों मनाते हैं?

वैसे इस त्योहार को देशभर में मनाया जाता है, लेकिन पंजाब, दिल्ली और हरियाणा में इसे मनाने को लेकर खास उत्साह रहता है। मुख्य तौर पर सिख समुदाय के लोग बैसाखी को नए साल के रूप में मनाते हैं। इस पर्व को मनाने के पीछे की एक वजह ये भी है कि 13 अप्रैल 1699 को सिख पंथ के 10वें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

इस तरह मनाते हैं बैसाखी का पर्व

बैसाखी के पर्व की तैयारियां पहले से ही शुरू हो जाती हैं। इस दिन लोग सुबह जल्दी जाग कर घरों की साफ-सफाई करते हैं। रुद्वारों को सजाया जाता है। त्योहार के दिन घर में कई तरह के पकवान बनाए जाते हैं। गुरुद्वारे में गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ होता है।

बैसाखी पर नवजीवन का संदेश: संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

बैसाखी के महीने में प्रकृति के लिहाज़ से पेड़-पौधें में नई कोपलें निकलनी शुरू हो जाती हैं, इनमें एक नई ज़दिगी की शुरूआत होती है तो हमें भी इससे कुछ नया सबक लेना चाहिए जिससे कि हमारे जीवन में भी नई कोपलें फूटें ताकि हमारी नई ज़दिगी का आरंभ हो और हमारे दिल से सभी भेदभाव मिट जायें। हरेक समाज में बैसाखी का महीना कई तरह से मनाया जाता है।

सन 1699 में बैसाखी के दिन ही दशम गुरू साहिब, गुरू गोबिन्द सिंह जी महाराज ने खालसा पंथ (सिख पंथ) की शुरूआत की थी। इस दिन दशम गुरू साहिब ने पाँच प्यारों को चुना। बौद्ध लोगों के लिए भी यह दिन बड़ा मुबारक है। इसी दिन महात्मा बुद्ध का भी जन्म हुआ था। बैसाखी के दिन ही उन्हें आत्म-ज्ञान भी हुआ और इसी दिन उनका निर्वाण भी हुआ।

महापुरूष जब-जब भी इस दुनिया में आते हैं, वे एक ही बात को बार-बार पेश करते हें, वह क्या है? कि मानुष जन्म बड़े भागों से मिलता है, जिसमें हम अपने निजघर वापिस जा सकते हैं। परमात्मा महाचेतना का सागर है और हमारी आत्मा उसकी एक बूंद है। परमात्मा प्रेम है, हमारी आत्मा उसका अंश होने के नाते प्रेम है, इसमें कुदरती तौर से प्रभु से मिलने का भाव है, इसका गुण है अपने प्रीतम से जुड़ना।

बैसाख धीरन क्यों वाढियां जिना प्रेम बिछोह।

''बैसाख धीरन क्यों'' बैसाख का महीना आ गया है, फसल कटी पड़ी है तुम्हारी, प्रभु से दूर पड़े हो, तुम्हें धीरज कैसे आ सकता है उसके बगैर। तुम उससे कटे पड़े हो, कैसे तुम जीवन गुज़ार रहे हो? कैसे भूल गये हो तुम?

हर साजन पुरख विसार के लगी माया धोह।

परमात्मा से दूर हो गये हम, उसे भूल गये और माया हाथ धोकर हमारे पीछे लग गई, माया नाम है भूल का। यह भूल कहाँ से शुरू हुई? यह दर्द भरी कहानी है। फसल तो बाहर कटी पड़ी है। महात्मा देखकर कहते हैं, तुम उस प्रभु से कटे पड़े हो तुम उसकी अंश हो। तुम मालिक को भूल गए और यही सब खराबियों की जड़ है। प्रभु को भूल कर अपना जन्म बरबाद कर रहे हो। ''प्रभु बिना अवर न कोय।'' प्रभु के बिना तुम्हारी आत्मा का कोई साथी नहीं। पुत्र, स्त्री, बच्चे ये सब प्रारब्ध कर्मों के अनुसार प्रभु ने जोड़े हैं। खुशी से लेना-देना निभाओ और अपने घर जाओ। वह परमात्मा जो हमारी आत्मा का संगी है और साथी है, वह तुम्हारे साथ जायेगा। हमें यह मानुष जन्म मिला है प्रभु को पाने के लिए।

आत्मा चेतन स्वरूप है, जब तक वह महाचेतन प्रभु से नहीं मिलेगी उसको कभी संतुष्टि नहीं होगी। मन कभी काबू नहीं होगा जब तक नाम से, परिपूर्ण परमात्मा से नहीं मिलेगा। ''नाम मिलिये मन तृप्तिये''। भगवान कृष्ण के जीवन में आता है कि उन्होंने यमुना नदी में छलांग मारी। नीचे हजार मुँह वाला सांप था। उन्होंने बाँसुरी बजाते हुए उसका नथन किया। यह सांप कौन था? मन, जिसके हज़ार तरीके हैं, जहर चढ़ाने के। उसको जीतना है। ''मन जीते जग जीत''। हमारे और उस प्रभु की प्राप्ति के बीच कोई रूकावट है तो वह मन ही है।

अगर तुम अपने दिल में प्रभु के पाने का पक्का इरादा रखते हो तो एक कदम अपने मन पर रखो अर्थात इसे खड़ा करो, दूसरा कदम जो तुम उठाओगे, प्रभु की गली में पहुँच जाएगा।

बैसाख का महीना तभी सफल होगा, जब नई जिंदगी का आरंभ होगा, तभी सफलता को पाओगे। जिसने पाया है, उसकी सोहबत मिले, कोई संत मिल जाए तो काम बन जाए। जिनको पूरा गुरु मिल गया, वह मालिक की दरगाह में शोभा पाएगा और तुम्हारे भीतर प्रेम भक्ति जाग उठेगी। दुनिया की, माया का जहर तुम पर असर नहीं करेगा और तुम्हें सुखों का समुद्र मिल जाएगा, तुम संसार सागर से तर जाओगे। वह महीना, वही दिन, वही महूर्त अच्छा है, जिसमें हमने उस प्रभु को पा लिया। जो मालिक की नजर पा गया, संतों की कृपा से उसका जीवन सफल है।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक: विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906: Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com